SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

KIRHINDIH, KUMHAU STATION ROAD, SHIVSAGAR

COURSE NAME – B.Ed. 2nd YEAR SESSION – 20-22

SUBJECT - C-10 (Creating an Inclusive School)

TOPIC NAME – श्रवण बाधित बालक

DATE - 24.01.22

श्रवण बाधित बालक

श्रवण बाधित बालक ऐसे बालक होते है जिनकी सुनने की क्षमता नष्ट हो जाती है तथा उन्हे बोलने और भाषा में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ऐसे व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति की भी भाषा सुनने और समझने में परेशानी होती है। इस दृष्टि से श्रवण बाधितो को दो श्रेणियो में बाँटा जा सकता है —

1. पूर्ण श्रवण बाधित
2. आंशिक श्रवण बाधित

कुछ बच्चे जन्मजात बहरे होते है या कुछ जन्म के समय तो ठीक पैदा होते है लेकिन बाद में किसी चोट या दुर्घटना या बीमारी के कारण अपनी श्रवण शक्ति खो बैठते है। ऐसे बच्चे पूर्ण श्रवण बाधित होते है।

आंशिक श्रवण बाधित बालक

वे बालक होते है जो अपनी श्रवण क्षमता कुछ सीमा तक खो बैठते है।

ऐसे बच्चे बिना श्रवण यंत्र या श्रवण यंत्र की सहायता से आसानी से सुन सकते है।

इस प्रकार जब किसी बालक के श्रवण अंगों में कोई दोष होता है तो उसे श्रवण बाधिता कहते है।

⇒ श्रवण बाधित बालकों का वर्गीकरण :-

वे सभी बालक जिनको सुनने में किसी भी तरह की कोई कठिनाई होती है, श्रवण बाधित बालक कहलाते है। ध्वनि का परिसर 1 से 130 डेसीबल होता है। 130dB से ऊपर की ध्वनि पीड़ा की संवेदना देती है।

इसलिए इन्हे चार भागों में बाँटा गया है —

1. कम श्रवण बाधिता (Mild Hearing Loss) :- कम श्रवण बाधिता को 27 से 40 dB की श्रवण बाधिता होती है। कम श्रवण बाधित बालक सामान्य स्तर की बातचीत को तो आसानी से सुन लेते है, परन्तु धीमे स्तर से बोलने पर वे बालक सुन नही पाते है।

2. मंद श्रवण बाधिता (Moderate Hearing Loss) :- मंद श्रवण बाधित बच्चों की श्रवण शक्ति में 40 dB से 55dB तक का नुकसान होता है। इनको सामान्य वार्तालाप सुनने में भी कठिनाई होती है। इस प्रकार के बच्चे सुनने के यंत्र का प्रयोग करके सुन सकते है।

3. गम्भीर श्रवण बाधिता :- गम्भीर श्रवण बाधित बच्चो की श्रवण बाधिता 55dB से 70dB तक होती है। इन्हे काफी ऊँचा बोलने पर सुनाई देता है। इस प्रकार के बच्चे को विशेष प्रकार का ~~कुछ~~ ~~कुछ~~ शिक्षण दिया जाता है।

4. पूर्णतया श्रवण बाधिता :- इस प्रकार के बच्चो की श्रवण बाधिता 70dB से 90dB या इससे भी अधिक होती है। इस प्रकार के बच्चो को श्रवण यंत्र की आवश्यकता होती है। लेकिन फिर इन्हे सुनने में कठिनाई होती है। ये प्राय: बधिर होते है।

⇒ श्रवण बाधिता के कारण :-

श्रवण बाधिता आनुवांशिक या वातावरण दोनो के परिणाम-स्वरूप हो सकती है। ये दोनो तत्व बच्चो की श्रवण क्षमता को प्रभावित करते है, जिसके कारण श्रवण बाधिता हो सकती है।

आनुवांशिक एवं वातावरण संबंधी प्रभावो का अध्ययन तीन स्तरो पर किया जा सकता है —

1. जन्म से पूर्व के कारण

- (i) आनुवंशिकी
- (ii) दवाओं का उपयोग
- (iii) रूबेला
- (iv) संक्रमण या धूत रोग

2. जन्म के समय प्रभावित करने वाले कारक :-

- (i) ऑक्सीजन की कमी
- (ii) प्रसव के दौरान प्रयोग किये जाने वाले औजार
- (iii) एन्सथेटिक दवाइयो का प्रयोग
- (iv) प्रसव के समय अधिक रक्त प्रवाह

3. जन्म के बाद प्रभावित करने वाले कारक :-